| 16 | | |
|--------------------------------|---|--------------|
| 17 | | |
| 18 | | |
| Zeilen 11-18 zu ergänzen | | |
| | | |
| Blatt 76 ↓ : Joh 21,7-9[10-12] | | |
| Begi | inn der Seite korrekt | |
| | <mark>PN</mark> [β | Stichometrie |
| 01 | κς] <mark>ΕΣΤΙ</mark> [ν τον επενδυ]ΤΗΝ Δ[ιεζω- | 24 |
| 02 | σα]ΤΟ· Ην γ[αρ γυμνος και εβα- | 21 |
| 03 | λεν ε]α[υ]τΟν [εις την θαλασ- | 20 |
| 04 | σαν 21,8 ο]Ι $^{\Delta}$ [ε αλλοι] Μ[αθηται τω πλοι- | 25 |
| 05 | αριω η]ΛΘΟ[ν ου] γΑΡ η[σαν μα- | 20 |
| 06 | κραν απο τ]η[ς] ΓΗΣ αλλα ΩΣ ΑΠΟ [πη- | 23 |
| 07 | χων διακο] <mark>ΣΙΩΝ· ΣΥΡΟΝΤΕΣ Τ</mark> [ο | 22 |
| 08 | δικτυον τ]ΩΝ ϊΧΘΥΩΝ ⁹ ΩΣ ΟΥΝ [α- | 22 |
| 09 | πεβησαν εις] ΤΗΝ [γ]ΗΝ' ΒΛΕΠΟυ- | 22 |
| 10 | σιν ανθρακιαν κειμε]NHN KAI | 23 |
| 11 | οψαριον επικειμενον και αρτον· | 26 |
| 12 | 10 λεγει αυτοις ο της ενεγκατε | 23 |